सामूहिक सुरक्षा तथा शक्ति सन्तुलन (Collective Security and Balance of Power)

प्रश्न सामूहिक सुरक्षा तथा शक्ति सन्तुलन के बीच सम्बन्धों का विश्लेषण करें सामूहिक सुरक्षा कहां तक शक्ति सन्तुलन के सिद्धान्त से सुधरी हुई है? Analyse the relation between Collective Security and Balance of Power. How far collective security

constitute and improvement over Balance of Power?

उत्तर सामूहिक सुरक्षा तथा शक्ति सन्तुलन शक्ति प्रबन्ध के दो लोकप्रिय साधन हैं जिनमें कुछ समानताएं तथा बहुत सी असमानताएं हैं। विसी राइट (Qulncy Wright) के शब्दों में "शक्ति सन्तुलन के सामूहिक सुरक्षा सम्बन्ध एक ही समय पर पूरक तथा विरोधी ही हैं।" (The relations of balance of power to collective security have been at the same time complementary and antagonistic Quincy Wright) दोनों पूरक है क्योंकि इनमें कितनी ही समानताएं हैं। बहुत से विद्वान् तो यहां तक कहते हैं कि सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था तो शक्ति सन्तुलन नीति का प्राकृतिक तथा योजनाबद्ध विस्तार है तथापि ऐसा विचार एकतरफा लगता है क्योंकि शक्ति सन्तुलन की मूलभूत पूर्व कल्पनाओं तथा सामूहिक सुरक्षा में बहुत बड़े-बड़े अन्तर भी हैं। इन दोनों में सम्बन्धों को समझने के लिए इनकी समानताओं का ज्ञान आवश्यक है तथा असमानताओं

समानताएं (Similarities) शक्ति सन्तुलन तथा सामूहिक सुरक्षा कई एक पहलुओं से समान हैं। 1. दोनों सुरक्षात्मक प्रकृति की हैं (Both are Defensive in Nature) पहले स्थान पर दोनों का उद्देश्य बिल्कुल एक •सा है क्योंकि दोनों का स्वरूप रक्षात्मक है तथा दोनों का उद्देश्य व्यवस्था में शामिल राज्यों की सुरक्षा करना है। 2. दोनों के सापनों में समानता (Both have Similarity in Methods) दूसरे स्थान पर कुछ सीमा तक उनके साधन भी एक से हैं। दोनों का अर्थ है शक्ति का आधिपत्य बनाना ताकि युद्ध को रोका जाए तथा अगर आवश्यकता होतो व्यवस्था के किसी सदस्य के विरुद्ध आक्रमक को पराजित करने के लिए साधन के रूप में प्रयोग किया जा सके। 3. दोनों युद्ध को एक साधन के रूप में स्वीकार करते हैं (Both accept war asa Means) तीसरे स्थान पर दोनों शक्ति सन्तुलन तथा सामूहिक सुरक्षा, आक्रमणकारी द्वारा व्यवस्था के अतिक्रमण को रोकने के लिए युद्ध को साधन के रूप में प्रयोग को मानते हैं परन्तु जहाँ शक्ति सन्तुलन को पुनः लाने तथा बनाए रखने के लिए युद्ध को राज्य का अधिकार माना जाता है वहां सामूहिक सुरक्षा मानती है कि किसी भी राज्य के विरुद्ध युद्ध का सामना करने के लिए सभी के द्वारा सामूहिक युद्ध शुरू किया जा सकता है तथा यह भी कि युद्ध समय-समय पर होते रहेंगे। इस तरह दोनों, रक्षात्मक युद्ध की सम्भावना तथा युद्ध के समान ही पुलिस कार्यवाही" को मानते हैं तथा इस पर ध्यान देते हैं।

4. दोनों यह मानते हैं कि प्रभुसत्ता सम्पन्न राज्य आक्रमण की समाप्ति साझे प्रयत्नों द्वारा चाहते हैं (Both accept that Sovereign states are willing to end aggression through joint efforts) चौधे नम्बर पर दोनों ही सिद्धान्त प्रभुसत्ता सम्पन्न राष्ट्रों की इस इच्छा को मानते हैं कि वे आक्रमण के विरुद्ध अपनी प्रतिक्रियाओं में समन्वय पैदा कर सकते है।

5. दोनों यह मानते हैं कि जो राज्य आक्रमण में शामिल नहीं होते वे भी शान्ति और सुरक्षा के लिए युद्ध में शामिल होने को तैयार होते हैं (Both accept that States not directly Involved in Aggression, are willing to join war against Aggression) पांचवें स्थान पर दोनों इस सम्भावना को ध्यान में रखते हैं कि वे राज्य, जिन पर आक्रमण नहीं होता, आवश्यकता पड़ने पर आक्रमण के विरुद्ध दूसरे राष्ट्र की सुरक्षा के लिए युद्ध में जाने के लिए तैयार रहेंगे। दोनों ही सुरक्षा के लिए युद्ध में जाना राज्यों का कर्तव्य मानते हैं।

6. दोनों शक्ति के बड़े केन्द्रीयकरण के शांति के लिये खतरा मानते हैं (Both regard that a big preponderance of power can endanger Peace) छठे स्थान पर सामूहिक सुरक्षा तथा शक्ति सन्तुलन दोनों एक समान है क्योंकि दोनों ही यह मानते हैं कि शक्ति का केन्द्रीयकरण, व्यवस्था की सुरक्षा को खतरा बना सकता है। शक्ति सन्तुलन में बहुत से समान शक्ति वाले राष्ट्र होने चाहिए ताकि कोई भी एक राष्ट्र विश्व के शक्ति साधनों के बहुत से भाग पर अपना नियन्त्रण न रख सके। ऐसा न होने पर सन्तुलन का काम कठिन हो जाता है। ऐसी ही आवश्यकता सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था में भी होती है।

7 दोनों शांति को तुल्यभागिता के रूप में परिभाषित करते हैं (Both define Peace in terms of Equilibrium)

सातवें स्थान पर दोनों के लिए शांति का अर्थ लगभग समान है। शक्ति सन्तुलन के अनुसार शांति एक तुल्यभागिता

(Equlibrium) या बहुत सी बड़ी शक्तियों की शक्ति के बीच सन्तुलन है। सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था भी विश्व सरकार के

सिद्धान्त को नहीं मानती फिर भी शांति की सम्भावना अर्थात् सभी राष्ट्रों के बीच 'तुल्यभागिता' या सन्तुलन को मानती है। 8. दोनों आक्रमण की समाप्ति के लिये सैनिक सहयोग में विश्वास रखते हैं (Both believe in military cooperation: among states for ending Aggression) अन्त में दोनों व्यवस्थाओं में यह विश्वास किया जाता है कि व्यवस्था के सदस्यों के बीच पारस्परिक सहयोग को आक्रमणकारी के विरुद्ध सैनिक प्रतिक्रिया में बदला जा सकता है। इस तरह शक्ति सन्तुलन तथा सामूहिक सुरक्षा में बहुत सी समानताएं हैं।

असमानताएं (Dissimilarities) उपरिलिखित समानताओं के बावजूद दोनों व्यवस्थाओं में बहुत बड़ी तथा महत्त्वपूर्ण असमानताएं है जो शक्ति प्रबन्ध के इन दोनों साधनों के स्वरूपों में स्पष्ट अन्तर बतलाती है। पामर तथा पार्किन्स (Palmer: and Parkins) के शब्दों में, 'साधारण परिस्थितियों में सामूहिक सुरक्षा तथा शक्ति सन्तुलन नीति दोनों असंगत है क्योंकि एक का उद्देश्य अपराध करने वाले या युद्ध करने वाले राष्ट्र के विरुद्ध सभी दूसरे राज्यों का एक दल बना लेना है, जबकि दूसरे के अनुसार शक्ति का एक ऐसा सन्तुलन होना चाहिए कि किसी भी राज्य को उसके विरुद्ध युद्ध करने का साहस न हो पहले का विषय है, सम्भावित आक्रमणकारी के विरुद्ध विश्व मोर्चा दूसरे का विषय है दो करीब-करीब समान तथा विरोधी मोर्चे

सामूहिक सुरक्षा तथा शक्ति सन्तुलन में निम्नलिखित मुख्य असमानताएं हैं। 1. शक्ति सन्तुलन प्रतियोगी तो सामूहिक सुरक्षा सहयोगी व्यवस्था है (Where as BOP is Competitive Collective Security is Co-operative System) शक्ति सन्तुलन की धारणा का अर्थ है, प्रतिद्वन्दी पंक्ति बंधन (Competing Alignment) का अस्तित्व, अर्थात् इसके अनुसार राज्यों का कम या अधिक विरोधी शिविरों में विभक्त होना। इसके विपरीत सामूहिक सुरक्षा का अर्थ है आक्रमण की समाप्ति के लिये विश्वपरक सहकारी व्यवस्था का निर्माण।